एम.एच.डी.-6
हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास (एम.एच.डी.-6)

एम.ए. हिन्दी का यह अनिवार्य पाठ्यक्रम हैं। ''हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास'' में आपने आदिकाल से लेकर आधुनिक काल तक की विभिन्न काव्य प्रवृत्तियों, हिंदी गद्य साहित्य एवं भाषा के विकास का ऐतिहासिक दृष्टि से अध्ययन किया है।

सत्रीय कार्य का एक और उद्देश्य है- सत्रांत परीक्षा के लिए आपको तैयार करना। सत्रांत परीक्षा में जो सवाल आपसे पूछे जाएँगे उनका ढाँचा सत्रीय कार्य में पूछे गए सवालों जैसा ही होगा। इसीलिए सत्रीय कार्य को आप गंभीरता से लें। सत्रीय कार्य और सत्रांत परीक्षा में पूछे गए सवाल दो प्रकार के होंगे।

कुछ प्रश्न निबंधात्मक या विवेचनात्मक होंगे जो पाठ्यक्रम में शामिल हिंदी काव्य प्रवृत्तियों, गद्य साहित्य तथा हिंदी भाषा के ऐतिहासिक विकास से संबंधित हो सकते हैं।

दूसरे प्रकार के प्रश्नों में आपको विभिन्न विषयों पर विवरणात्मक/आलोचनात्मक टिप्पणियाँ लिखनी होंगी। निबंधात्मक प्रश्नों के लिए लगभग 60 प्रतिशत तथा टिप्पणीपरक प्रश्नों के लिए 40 प्रतिशत अंक निर्धारित किए गए हैं। सत्रांत परीक्षा में निबंधात्मक प्रश्न 60 से 80 प्रतिशत के हो सकते हैं।

सत्रीय कार्य
(खंड 1 से 8 पर आधारित)

सत्रीय कार्य कोडः एम.एच.डी–6/टीएमए/2026–2027

कुल अंक : 100

1. आदिकालीन लौकिक साहित्य का परिचय प्रस्तुत कीजिए। 12

2. 'संत' शब्द का अर्थ स्पष्ट करते हुए संत परंपरा का परिचय दीजिए। 12

3. प्रयोगवाद की प्रमुख प्रवृत्तियों का सोदाहरण विवेचन कीजिए। 12

4. प्रेमचंदोत्तर हिंदी उपन्यास विषय पर निबंध लिखिए। 12

5. भारत की भाषाओं की सामान्य विशेषताओं का परिचय दीजिए। 12

6. निम्नलिखित विषयों पर टिप्पणी लिखिए : $8 \times 5 = 40$

   क) द्विवेदीयुगीन कविता
   ख) नयी कविता
   ग) मतिराम
   घ) रीति मुक्त कविता
   ङ) संस्मरण और रेखाचित्र